महत्वपूर्ण एवं खास

रायपुर एम्स में नए डॉयरेक्टर की नियुक्ति

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में नए डॉयरेक्टर की नियुक्ति हुई है। भोपाल एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर अजय सिंह को यहां का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. सिंह एक बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक सर्जन के साथ ही आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ हैं। डॉ. सिंह को जून 2022 में भोपाल एम्स का कार्यकारी निदेशक बनाया गया था। भोपाल से पहले वे पोस्ट-ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ, नोएडा के निदेशक के पद पर कार्यरत थे। डॉ. अजय सिंह की एम्स में नियुक्ति जून, 2028 तक के लिए की गई है। उन्हें प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है, हालांकि उनकी मूल पोस्टिंग केजीएमयू, लखनऊ में बाल चिकित्सा हड्डी रोग विभाग में प्रोफेसर के रूप में है। बता दें कि इससे पहले रायपुर एम्स के डॉयरेक्टर रहे नितिन एम नागरकर ने पारिवारिक कारणों से दिसंबर 2022 में इस्तीफा दे दिया था, जिसे जनवरी 2023 में मंजूर कर लिया गया था। इसके बाद से डॉयरेक्टर का पद खाली था।

छत्तीसगढ़ में अब तक 461.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 461.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से आज 28 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1000.5 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 154.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 287.9 मिमी, बलरामपुर में 288.0 मिमी, जशपुर में 312.8 मिमी, कोरिया में 391.3 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 384.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 535.7 मिमी, बलौदाबाजार में 421.9 मिमी, गरियाबंद में 483.9 मिमी, महासमुंद में 448.2 मिमी, धमतरी में 553.2 मिमी, बिलासपुर में 422.9 मिमी, मुंगेली में 541.7 मिमी, रायगढ़ में 432.8 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 372.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 319.4 मिमी, सक्ती में 334.0 मिमी, कोरबा में 395.9 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 312.6 मिमी, दुर्ग में 387.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 325.7 मिमी, राजनांदगांव में 620.5 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 691.2 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 505.1 मिमी, बालोद में 623.4 मिमी, बेमेतरा में 314.4 मिमी, बस्तर में 559.7 मिमी, कोण्डागांव में 392.9 मिमी, कांकेर में 474.6 मिमी, नारायणपुर में 443.1 मिमी, दंतेवाड़ा में 667.5 मिमी और सुकमा में 818.4 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

15 अगस्त को राज्य के 7 पुलिस अधिकारियों को मिलेगा वीरता पदक

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के 7 पुलिस अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा। नई दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता समारोह के अवसर पर जिन पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति के हाथों यह वीरता पदक प्रदान किया जाएगा, उनमें आईपीएस अभिषेक पल्लव, आरआई वैभव मिश्रा, एसआई अश्वनी सिन्हा, एसआई यशवंत श्याम, एएसआई उसारू राम कुर्राम और इस्पेक्टर उत्तम कुमार समेत शहीद एपीसी कृष्णपाल सिंह कुशवाह मरणोपरांत को वीरता पदक से नवाजा जाएगा।

कंजेक्टिवाइटिस से बचने के उपायों और सावधानियों का किया जाए व्यापक प्रचार-प्रसार : मुख्यमंत्री बघेल

- मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों की गहन समीक्षा की
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्तर तक जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध
- मरीजों को दी जा रही हैं नि:शुल्क दवाईयां

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक में कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कंजेक्टिवाइटिस से बचने के उपायों और सावधानियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने विशेषज्ञों की सलाह का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को यह बताया जाए हाथों को बिना साफ किए हाथ आंखों में ना लगाएं, जिससे संक्रमण ना हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों का प्राथमिकता के साथ इलाज किया जाए। ताकि उन्हें अस्पतालों में ज्यादा समय न रुकना पड़े। स्कूलों में भी यदि किसी बच्चे को कंजेक्टिवाइटिस होता है तो संक्रमण से बचने के लिए उन्हें घर भेज जाए। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों की जांच और इलाज तथा दवाईयों की उपलब्धता की समीक्षा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों का सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध है। पर्याप्त मात्रा में दवाईयां उपलब्ध हैं और मरीजों को नि:शुल्क दवाईयां दी जा रही हैं।

बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य रेणु जी. पिल्ले, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला, स्वास्थ्य विभाग के सचिव सिध्दार्थ कोमल सिंह परदेशी, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक लोक शिक्षण सुनील जैन, स्वास्थ्य मिशन के एमडी विलास भोसकर संदीपन, संचालक महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने बैठक में कहा कि पिछले सप्ताह कंजेक्टिवाइटिस के जो मरीज मिले थे, उनमें से अधिकांश स्वस्थ हो गये है। दुर्ग, रायपुर में ज्यादा मरीज मिले थे। उन्होंने कहा कि लोग मेडिकल स्टोर से स्वयं स्टेराइड दवाईयां लेकर आंखों में डाल रहे है, ऐसा करना नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

कंजेक्टिवाइटिस से डरने की नहीं, सावधानी की जरूरत

बैठक में विशेषज्ञों ने बताया कि कंजेक्टिवाइटिस से डरने की जरूरत नहीं है, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक जांच और उपचार की व्यवस्था है। लोगों को नि:शुल्क दवाईयां दी जा रही हैं। अस्पतालों में यह ध्यान रखा जाए कि यदि संक्रमण है तो आपरेशन नहीं किया जाए। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि सामान्यत: यह बीमारी 3 दिन में ठीक हो जाती है। यदि ठीक नहीं होती, आंखों में तकलीफ रहती है या दृष्टि में धुंधलापन आता है तो नेत्र विशेषज्ञ को तुरंत दिखाएं। लोग हाथ मिलाने से बचें और बिना साफ किए हाथ आंखों में ना लगाएं।

स्थानीय वैद्यों की पहचान कर औषधीय जड़ी-बूटियों को संरक्षित करने की दिशा में करें काम : साय

- सीएसआईडीसी के अध्यक्ष ने वनौषधि पार्क बनाने पर दिया जोर
- सीएसआईडीसी के अधिकारियों की बैठक लेकर की काम-काज की समीक्षा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के अध्यक्ष डॉ. नंद कुमार साय ने बुधवार को गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। बैठक में डॉ. साय ने कहा कि प्रदेश के स्थानीय वैद्यों की पहचान कर औषधीय जड़ी-बूटियों को संरक्षित करने के लिए कार्य योजना तैयार किया जाए। उन्होंने औद्योगिक विकास के तहत छत्तीसगढ़ औषधीय पादप बोर्ड से समन्वय कर वनौषधि पार्क बनाने पर भी जोर दिया। बैठक में मरवाही विधायक डॉ. के.के. ध्रुव, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य अर्चना पोर्ते, कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया, वन मंडलाधिकारी सत्यदेव शर्मा, एसडीएम पेंड्रारोड पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष डॉ. साय ने कहा कि गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला वन और आदिवासी बाहुल्य जिला है, यहां वनौषधि जड़ी-बूटियों की कमी नहीं है। उन्होने औद्योगिक विकास के तहत वनौषधि पार्क भी प्रस्तावित करने कहा। डॉ साय ने औषधीय जड़ी-बूटियों के गुणों के बारे में अपने स्वयं के अनुभव भी साझा किए। उन्होने हड्डी जोड़, जहरीले सांप, बिच्छु का विष उतारने, पीलिया खत्म करने आदि के बारे में बताते हुए कहा कि जड़ी बूटियों के जानकार वैद्यों कि पहचान करें और वनौषधि पार्क बनाने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि अश्वगंधा, गिलोय आदि वनौषधियों का प्रभाव काफी कारगर है। वनौषधियों के उपयोग से किसी तरह का दुष्प्रभाव भी नहीं होता है।

बैठक में कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया ने बताया कि जिले में लेमन ग्रास की खेती के साथ ही औषधीय पौधों के संरक्षण के लिए मरवाही विकासखंड के ग्राम पथर्रा, सेखवा एवं मड़ई के 10 महिला स्व सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया है। औषधीय पौधों की खेती के लिए केंवची क्षेत्र में भी कार्य योजना प्रस्तावित है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पहले जिले में 31 अक्टूबर 2000 तक 749 सूक्ष्म, लघु उद्योग पंजीकृत थे, जिसमें 94.82 लाख का निवेश एवं 1508 व्यक्ति रोजगार में नियोजित थे। राज्य गठन 1 नंवबर 2000 से 31 मार्च 2020 तक 380 पंजीकृत सूक्ष्म, लघु उद्योग जिसमें निवेश राशि 36 करोड़ 66 लाख 69 हजार और 1833 लोग उद्योगों में नियोजित है। 1 अप्रैल 2020 से 28 अप्रैल 2023 तक 21 उद्योग उत्पादन प्रमाण पत्र प्राप्त हैं, जिसमें 18 करोड़ 39 लाख 20 हजार पूंजी निवेश एवं 196 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है। इन पंजीकृत उद्योगों में मुख्यत: हॉलर एण्ड फ्लोर मिल, राईस मिल, फेब्रीकेशन, ईंट निर्माण, बर्तन निर्माण, ऑयल एण्ड फ्लोर मिल, फ्लाई एश ब्रिक्स, एल्युमिनियम प्रोडक्ट, आरसीसी पोल, हर्बल प्रोडक्ट, फिनाईल आदि इकाईयां संचालित है। इसके साथ ही नई औद्योगिक नीति 2019-2024 के तहत जिले में 301 प्रस्तावित नये इकाईयों ने उद्यम आकांक्षा प्राप्त किया है, जिसमें 85 करोड़ 94 लाख 62 हजार रूपए का पूंजी निवेश एवं 1234 लोगों के लिए रोजगार प्रस्तावित है।

जुनियर चिकित्सक 1 से हड़ताल की तैयारी में

रायपुर (आरएनएस)। स्टाइफंड में वृद्धि की मांग को लेकर जगदलपुर मेडिकल कालेज के जुनियर डॉक्टर हड़ताल में जाने की तैयारी पर हैं। रा'य सरकार ने घोषणा पत्र में स्टाइपेंड बढ़ाए जाने की बात की थी। लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया गया। इसीलिए नाराज जुनियर डॉक्टर अब हड़ताल पर जाने की तैयारी में है।

सूत्रों ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर हाथों में काली पट्टी बांधकर 1 अगस्त तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। जिस तरह से रायपुर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स हड़ताल पर गए थे। उसी तरह 1 अगस्त से जगदलपुर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर भी हड़ताल पर चले जाएंगे। फिलहाल रायपुर मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर हड़ताल की जाएगी। मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में सेवाएं दे रहे डॉक्टर पिछले लंबे समय से इसी मांग को लेकर कई बार आंदोलन कर चुके हैं। लेकिन सरकार ने इनकी मांगों को अबतक पूरा नहीं किया। हर बार इन्हें आश्वासन दे दिया जाता है।

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के संबंध में कार्यशाला संपन्न

दल्लीराजहरा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स दल्ली राजहरा इकाई द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना तथा अन्य लोन योजनाओं का लाभ लेने के लिये सिंधु भवन में 25 जुलाई को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उद्योग केन्द्र के अध्यक्ष सी.आर.टेकाम एवं विशेष अतिथि बालोद जिला के बैंक ऑफ बड़ोदा के मैनेजर प्रणय दुबे जी थे। कार्यक्रम में जिला उद्योग केन्द्र की विभिन्न लाभकारी योजनाओं को टी.आर. टेकाम जी द्वारा सम्पूर्ण सदन को विस्तार से जानकारी उपलब्ध करायी गई। जिससे प्रभावित होकर सदन में ही 4 करोड़ रूपये लोन की प्रस्तावना एवं कई मुद्रालोन की प्रस्तावना प्राप्त हुई। इन पैसों से बाजार में पूंजी बढ़ेगी एवं व्यापार बढ़ेगा। कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बंधन बैंक, एवं अन्य बैंको ने अपना सहयोग प्रदान किया। राजहरा व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविन्द वाधवानी तथा जिला चेम्बर उपाध्यक्ष स्वाधीन जैन, जिला चेम्बर महामंत्री अमित कुकरेजा, अनाज किराना व्यापारी संघ अध्यक्ष तरूण कुमार इन सभी का भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग रहा। कार्यक्रम में विशेष सहयोग अमित मुंदड़ा तकनीकि विशेषज्ञ ,श्रीमती पूजा ढेलढिय़ा , अक्षय राठी का भी रहा। इकाई के समस्त पदाधिकारी कैलाश छाजेड़, झुम्मर लाल छाजेड, राजू सोनी, प्रेम जायसवाल, भूपेन्द्र डरहवाल, नवदीप गुप्ता, रतन चोपड़ा जी का भी सहयोग रहा।

15 लाख के विद्युत तार चोरी करने वाले गिरफ्तार

कोण्डागांव-रायपुर (आरएनएस)। उत्तरप्रदेश से आकर छत्तीसगढ़ में एक ठेकेदार के अधीन रहकर काम कर रहे नाबालिग के साथ ही तीन अन्य लोगों को विद्युत तार कीमती करीब 15 लाख रूपए चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी यहां से चोरी करने के बाद वापस अपने-अपने गृहग्राम भाग निकले थे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी शेख मौसिम कुरूद जिला धमतरी के द्वारा शिकायत दर्ज कराया गया कि उनके फर्म के द्वारा जिला कोण्डागांव में बडेडोंगर से मसोरा तक नई && के. वी. विद्युत लाईन का कार्य किया जा रहा है। जिसमें टेक्निकल कार्य हेतु उत्तरप्रदेश निवासी इरशाद राणा को अपने अधीनस्थ रखकर कार्य करवा रहा था। इरशाद राणा के साथ उसके ही गांव के कुछ अन्य लोग भी कार्य कर रहे थे। आरोपियों ने बिना जानकारी दिए 15 जून 202& को ग्राम जुगानी कलार के इनके अस्थायी कैंप एवं ग्राम जैतपुरी से 5 ड्रम डॉग कंडक्टर विद्युत तार किमती लगभग 15,00,000/- (पन्द्रह लाख) रूपये को चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद प्रकरण की जांच की और शिकायत सही पाया। इसके बाद आरोपियों की तलाश के दौरान थाना फरसगांव पुलिस के द्वारा विभिन्न चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 26 जून को बिलासपुर से चोरी किये गये उपरोक्त संपत्ति की शत् प्रतिशत बरामदगी कर जब्त कर लिया गया।

पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त वाहन ट्रक क्रमांक सीजी 10 आर 1971 को भी जब्त किया गया है। विवेचना के दौरान आरोपियों का लोकेशन जिला मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम जौला में होने की सूचना प्राप्त होने पर थाना फरसगांव से वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम गठित कर उत्तरप्रदेश के संभावित स्थान पर रवाना किया गया।

प्राप्त सूचना एवं अन्य तकनीकी विधियों का उपयोग करते हुए थाना फरसगांव पुलिस द्वारा स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी इरशाद राणा (&2 वर्ष) एवं मो. जुबेर (21 वर्ष) दोनों निवासी यूपी के साथ एक नाबालिग को पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर अभिरक्षा में लेकर थाना फरसगांव लाया गया। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर केन्द्रीय जेल जगदलपुर दाखिल किया गया है साथ ही नाबालिग को बाल सुधार गृह में दाखिल कराया गया है।

शासन की योजनाओं का लाभ लेकर कम लागत में किसान कर रहे फसलों की अच्छी पैदावार

- धान के अलावा गेहूं, अलसी, मसूर की खेती कर किसान कमा रहे मुनाफा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुसार क्रियान्वित योजनाओं से छत्तीसगढ़ के किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर राज्य के किसान अब धान के अलावा अन्य फसलों की तरफ भी रुचि दिखा रहे है। किसान ग्रीष्मकालीन धान के साथ ही साथ अन्य फसलों जैसे कि गेहूं, अलसी, मसूर, मूंग की अच्छी पैदावार प्राप्त कर रहे है।

छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 70 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है। राज्य का अधिकांश क्षेत्र वर्षा आधारित होने से मौसमी प्रतिकूलता, कृषि आदान में वृद्धि के कारण कृषि आय में अनिश्चितता बनी रहती है। कृषि में पर्याप्त निवेश एवं काश्त लागत में किसानों को राहत देने के लिए राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में योजनाएं शुरू की गयी हैं जिसका लाभ लेकर किसान न सिर्फ बेहतर उत्पादन ले रहे हैं बल्कि आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रहे हैं। इसी के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा संचालित टरफा योजना के अंतर्गत किसानों को अनुदान राशि के माध्यम से बीज उपलब्ध कराया जा रहा है और उन्हें उन्हें धान की जगह अन्य फसलों की बुआई के लिए प्रेरित किया जार हा है। धान के अलावा दूसरी फसलों की कम पानी और कम लागत में अच्छी पैदावार होने से जिले किसान अच्छी आय भी अर्जित कर रहे हैं। योजना का लाभ लेते हुए बिलासपुर जिले के विकासखंड तखतपुर के सिलतरा निवासी किसान राजेश यादव ने बताया कि उनके पास 1.5 एकड़ कृषि भूमि है। वे अपनी भूमि पर धान की फसल लगाया करते थे। इससे ग्रीष्म ऋतु में धान की फसलों को अत्यधिक पानी की आवश्यकता पड़ती थी। फलस्वरूप धान की पैदावार पर भी असर पड़ता था। राजेश के अनुसार राज्य शासन की योजना के अंतर्गत कृषि विभाग के माध्यम से उन्हें धान के बदले अन्य फसलों जैसे गेहूं, मूंग, मसूर, मक्का की खेती कम लागत और कम पानी में किए जा सकने की जानकारी मिली।

जल जीवन मिशन: राज्य में 27 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

- रायपुर जिला सर्वाधिक घरेलू नल कनेक्शन देने में अग्रणी

रायपुर (आरएनएस)। राज्य के ग्रामीण अंचलों में नि:शुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत 50 लाख 13 हजार 830 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिया जाना है। जिसके तहत वर्तमान में 27 लाख 19 हजार 960 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ राज्य के 43 हजार 981 स्कूलों, 41 हजार 725 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 15 हजार 596 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के रायपुर जिला सर्वाधिक 1 लाख 40 हजार 369 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में अग्रणी है। इसी तरह जांजगीर-चांपा जिला 1 लाख 39 हजार 240, महासमुंद जिले में 1 लाख 32 हजार 665 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही साथ जमीनी स्तर पर राज्य में सिंगल विलेज स्कीम और मल्टी विलेज स्कीम सहित अन्य पेयजल योजनाओं सहित जल जीवन मिशन के कार्यों का क्रियान्वयन सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी डॉ. एस. भारतीदासन और मिशन संचालक आलोक कटियार द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

जल जीवन मिशन के तहत अब तक धमतरी जिले में 1 लाख 28 हजार 291, रायगढ़ जिला 1 लाख 23 हजार 089, कवर्धा 1 लाख 20 हजार 165, बिलासपुर जिले में 1 लाख 17 हजार 715, बलौदाबाजार-भाटापारा में 1 लाख 17 हजार 221, दुर्ग 1 लाख 13 हजार 587, मुंगेली में 1 लाख 10 हजार 333 तथा राजनांदगांव जिला 1 लाख 10 हजार 238 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह, बेमेतरा जिले में 1 लाख 09 हजार 839, बालोद में 01 लाख 08 हजार 281, सक्ती में 1 लाख 3 हजार 037, गरियाबंद 87 हजार 450, बलरामपुर में 84 हजार 505, जशपुर में 82 हजार 830, सरगुजा जिले के 81 हजार 713, कोरबा में 81 हजार 148, सूरजपुर में 76 हजार 257, बस्तर में 75 हजार 898, कोण्डागांव में 71 हजार 694, कांकेर 71 हजार 340, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 55 हजार 408, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 47 हजार 215, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 41 हजार 548, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 36 हजार 318, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 28 हजार 975, सुकमा में 28 हजार 817, कोरिया में 27 हजार 099, बीजापुर 25 हजार 866, दंतेवाड़ा में 24 हजार 383 और नारायणपुर जिले में 17 हजार 426, ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU